प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में इंजीनियरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। 18 अगस्त 2025। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिक महाविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में उत्तराखंड के ग्रामीण निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए पंचम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन किया गया। दो–सप्ताह का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कनिष्ठ और सहायक अभियंताओं को गुणवत्ता परीक्षण में निपुण बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस अवसर पर कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने उत्तराखंड में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में समय–समय पर भूस्खलन, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक विपदाएं आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं को इन चुनौतियों का सामना करने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। ग्रामीण निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री अनिल गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण से अभियंताओं के ज्ञान में वृद्धि होगी और वे गुणवत्ता परीक्षण के आधुनिक तरीकों से अवगत हो सकेंगे। अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी डा. एस.एस. गुप्ता ने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण अभियंताओं की कार्यकुशलता और कौशल विकास के लिए उपयोगी होगा, जिससे विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रौद्योगिक महाविद्यालय और ग्रामीण निर्माण विभाग के बीच हुए एमओयू के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अभियंताओं को आवश्यक कौशल प्रदान करना और विभाग के कार्यों में गुणवत्ता लाना है। इस एमओयू के तहत महाविद्यालय और विभाग मिलकर अभियंताओं के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में से एक होने के कारण इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व और भी बढ़ जाता है। राज्य में 2013 की केदारनाथ आपदा जैसी कई बड़ी प्राकृतिक विपदाएं आई हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रशासन और अभियंताओं को तैयार रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा पुस्तकों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. संजीव सुमन ने किया और इसमें सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डा. संदीप गुप्ता, डा. सुनील कुमार, डा. वनीता देवी और डा. सुबीर शर्मा उपस्थित रहे।